प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान

पारस विहार, मोहनपुरा, संगानेर जयपुर

प्रो लोकेश कुमार जैन

उपाध्यक्ष

पंत्रांक : **दिनांक : 21 अप्रेल, 2024**

(महावीर जयन्ती)

प्राच्यविद्या एवं साहित्य संवर्धन पुरस्कार-2023

प्रिय विद्वत्श्री,

सादर जय जिनेन्द्र!

आपके सूचित करते हुए परम हर्ष हो रहा है कि जैन दर्शन एवं प्राच्यविद्या, पाण्डुलिपि सम्पादन एवं संरक्षण, अहिंसा तथा नैतिक मूल्यों के संवर्धन, पर्यावरण जन–चेतना, जिनवाणी के प्रचार–प्रसार एवं उत्कृष्ट साहित्य लेखन–सम्पादन में बहूमूल्य योगदान करने वाले युवा विद्वानों, पत्रकारों, जैन विद्या के अनुसंधान कर्ताओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु यह संस्था 2020 से प्रतिवर्ष तीन पुरस्कार युवा विद्वानों के प्रोत्साहन स्वरूप "प्राच्यविद्या एवं साहित्य संवर्धन पुरस्कार" प्रदान करती आ रही है। सम्माननीय विद्वानों को पुरस्कार स्वरूप पुरस्कार राशि 11000/– नकद, प्रसस्ति–पत्र, स्मृति चिन्ह, शाल–श्रीफल, साहित्य आदि से सम्मानित किया जाता है।

पुरस्कार चयन समिति द्वारा वर्ष 2023 के पुरस्कारों हेतु निम्न विद्वानों की मौलिक कृति एवं जिनवाणी के प्रचार प्रसार व प्रशासनिक सेवा के लिए चयन किया है। जिसमें

1. साहित्योपासक **क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी अहिंसा एवं जन–चेतना पुरस्कार–2023**

   डॉ. लिपि जैन, सहायक आचार्य, अहिंसा एवं शान्ति विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

   को आपकी मौलिक कृति **विकास : गांधी और आचार्यश्री महाप्रज्ञ की दृष्टि में** कृति के लिए प्रदान किया जाता है।

   पुरस्कार पुण्यार्जक : श्रीमती रेनू जैन धर्म पत्नि स्व श्री विजय स्वरूपजी जैन गांधीनगर (गुजरात)

2. प्राकृतशिरोमणि **आचार्यश्री सुनीलसागर प्राकृत युवा मनीषी पुरस्कार–2023**

   डॉ वीरचन्द्र जैन, सहायक आचार्य, जैन दर्शन एवं प्राकृत विभाग, कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय

   को आपकी मौलिक **कृति आचार्य नेमिचंद सिद्धान्त चक्रवर्ती के वांग्मय में कर्म चिंतन** के लिए प्रदान किया जाता है।

   पुरस्कार पुण्यार्जक : सी.ए. श्रीमान् महेन्द्र–प्रीति अरिहंत जागृति पाटनी परिवार, कोलकाता

3. **डॉ** पन्नालाल **जैन साहित्याचार जैन दर्शन एवं प्राच्यविद्या सेवी पुरस्कार–2023**

   डॉ. विनय जैन, निदेशक, सन्मति प्राकृत विद्यापीठ, प्रतापगढ (राजस्थान)

   को आपके **जिनवाणी के प्रचार–प्रसार, जैनविद्या अध्ययन अध्यापन में** उल्लेखनीय सेवा प्रदान करने के लिए प्रदान किया जाता है।

   पुरस्कार पुण्यार्जक : श्रीमान् वीरेन्द्र–सरिता जैन, बाकलीवाल, पो. आनन्द (गुजरात)

यह सभी पुरस्कार आगामी कार्यक्रम में प्राकृतकेसरी आचार्यश्री सुनीलसागर महाराज के मंगल सानिध्य में प्रदान किये जायेगें। कार्यक्रम आमत्रंण आपको दूरभाष एवं मेल के माध्यम से सबहुमान प्रेषित कर दिया जायेगा। आपके आगमन की प्रतीक्षा के साथ...

प्रो लोकेश जैन

(उपाध्यक्ष एवं पुरस्कार समिति संयोजक

Professor, Department of Rural Management, Faculty of Management and Technology,
Gujarat Vidyapith, Rural Campus- Randheja, Dist.Gandhinagar-382620 (Gujarat) INDIA